भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1583

गुरूवार, 12 फरवरी, 2026/23 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

स्वदेश दर्शन 2.0

1583 श्री गोला बाबूराव:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्वदेश दर्शन 2.0 और चुनौती आधारित गंतव्य विकास योजना के उद्देश्य और लक्ष्य क्या हैं;

(ख) क्या यह सच है कि स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत 2024-25 में ₹30 करोड़ की अनुमानित लागत से आंध्र प्रदेश के अराकू में बोर्रा गुफाओं को चिन्हित किया गया है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त स्थल के विकास के लिए प्रस्तावित कार्य क्या-क्या हैं; और

(ङ) उन कार्यों की वर्तमान स्थिति क्या है और ये सभी कार्य कब तक पूरे होने की संभावना है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): यद्यपि पर्यटन का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है, तथापि पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन योजना सहित अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करने के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मंत्रालय ने पर्यटन स्थलों के सतत विकास के व्यापक उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के नाम से नया रूप दिया है और तदनुसार एसडी 2.0 के तहत देश में 53 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें वर्ष 2023-24 में आंध्र प्रदेश में स्वीकृत 29.88 करोड़ रुपये की "अराकू में बोर्रा गुफा अनुभव" नामक परियोजना भी शामिल है। इस परियोजना में मुख्य रूप से पर्यटन सुविधाओं और अवसंरचना के घटकों, जैसे प्रवेश द्वार, पार्किंग, बाजार की गलियों का विकास, आगंतुक केंद्र, कैफेटेरिया, सुविधा ब्लॉक, गुफा का विकास, प्रकाश व्यवस्था, प्रोजेक्शन मैपिंग, संकेतक आदि का विकास शामिल हैं और इसे कार्यान्वयन के चरण में बताया गया है। स्वदेश दर्शन योजना मार्च 2026 तक के लिए स्वीकृत है।

इसके अलावा, पर्यटन स्थलों के समग्र विकास के उद्देश्य से मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 योजना की 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' नामक उप-योजना के तहत 38 परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है।

*****